CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

कोरोना महामारी में जैविक उत्पादों/जैविक खेती की भूमिका पर वेबिनार आयोजित

जयपुर, 21 अगस्त, 2020।
'कट्स', जयपुर द्वारा आज एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'कोरोना काल में जैविक उत्पादों/जैविक खेती की भूमिका' रखा गया। :कट्स' द्वारा राजस्थान के दस जिलों में प्रोओर्गेनिक परियोजना संचालित की जा रही है।

वेबिनार के प्रारम्भ में 'कट्स' के सहायक निदेशक दीपक सक्सेना ने बताया कि कोरोना काल में जैविक खेती के उत्पादों को मांग बढ़ी है, जो कि जैविक खेती के लिए एक अच्छा अवसर है। सक्सेना ने बताया कि इस विषय पर चर्चा हेतु आज वेबिनार में डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. ए.के. शर्मा, रोहित जैन एवं वीरेन्द्र परिहार को आमन्त्रित किया गया है।

सर्वप्रथम डॉ. एस.के. शर्मा, जोनल डाइरेक्टर, रिसर्च, एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन, (एम.पी.यू.ए.टी.), उदयपुर ने जैविक खेती उत्पादों के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि जैविक खेती जीवन शैली का एक आधार है। जैविक खेती एवं शाश्वत लाभ की खेती है। आज के समय में उपभोक्ताओं को इस महामारी में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जैविक उत्पाद याद आ रहे हैं। जैविक खेती से प्राप्त उत्पादों के लिए हमें तकनीकी ज्ञान एवं प्राकृतिक घटक दोनों को साथ मे लेकर चलना होगा। साथ ही हमें समन्वित खेती भी करनी होगी।

रोहित जैन सचिव, ओर्गेनिक फार्मिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, ने कहा कि जैविक खेती एक अवसर है और महामारी से निपटने के लिए जैविक खेती की भूमिका के महत्व के बारे में बताया। कोरोना महामारी के प्रारम्भ होते ही उपभोक्ताओं में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जैविक उत्पादों की मांग बढ़ी। आज के समय में किसानों को जैविक खेती में उज्जवल भविष्य नजर आ रहा है। साथ ही, भारत में आत्मनिर्भता का ओर बढ़ने में जैविक खेती एक बेहतरीन अवसर है। जैविक खेती किसानों एवं ग्रमवासियों को आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम है। आज पर्यटन के क्षेत्र का भी विकास जैविक खेती के माध्यम से किया जा सकता है।

डॉ. ए.के. शर्मा, प्रिसिंपल साइन्सिटिस्ट, काजरी, जोधपुर ने बताया कि आज बाजार में जैविक उत्पाद मांग के अनुरूप उपलब्ध नहीं है। किसान भी एक उपभौक्ता है। यदि किसान जैविक खेती करता है तो इससे 60 प्रतिशत लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। किसान जब फसल में कीटनाशक का उपयोग करता है, तो 90 प्रतिशत कीटनाशक गांव एवं खेती में ही रहते है। ये बीमारियां गांव से ही उत्पादों के माध्यम से शहरों में आ रही है। उन्होंने बताया कि मृदा एवं मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती अनिवार्य हे। किसान खेती में हरी खाद का उपयोग करें, जैविक खाद एवं कुचुंआ खद का उपयोग करना चाहिए। जैविक कीट नियंत्रक बनाना चाचाहिए जैविक कीट नियंत्रक कीड़ों को मारता नहीं, भगाता है। जैविक खेती एक पुरानी तकनीक है, इसमें कुछ नई तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। किसानों को एकल फसल नही उगानी चाहिए। गेहूं एवं मक्का के साथ सब्जियां भी उगा सकते है। किसानो को अपनी आय संवर्धन के लिए बाजार की मांग के अनुसार ही जैविक खेती के उत्पाद तैयार करने चाहिए, जैसे कि औषधि एवं मसालों के उत्पादों की खेती।

वीरेन्द्र परिहार, कार्यक्रम निर्माता,दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर ने कहा कि आज संचार के विभिन्न माध्यमों से सजैविक खेती कर रहे किसानों की सफलतम कहानियों को प्रकाशित कर रहे है और इसे दिखा भी रहे हैं। संचार माध्यमों की वजह से ही जैविक किसानों की गाथा समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंची है। आज इसी कारण से राज्य के जैविक किसान पदम्श्री पुरस्कार से नवाजे गये हैं। संचार माध्यम किसानों की सफलतम कहानियां समाज को बताता रहेगा।

वेबिनार के अंत में राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी, 'कट्स' ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जैविक खेती एवं जैविक उत्पाद अपनाने की सलाह दी।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी
'कट्स' इंटरनेशनल
डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016, भारत
दूरभाषः 91–.5133259, 2282821/2282482 फैक्सः 91–141–4015395
ईमेलः rdp@cuts.org ; वेबसाइटः www.cuts-international.org